

आर. के. वर्मा,  
सचिव,  
उत्तराधिकार शासन।

त्रिपाता में

उप निदेशक,  
तैनिक काल्पाणा एवं पुनर्वासि,  
उत्तरांधल, देहरादून ।

**भैनिक कल्याण अनुभाग** देहरादून : दिनांक 11 जनवरी, 2002  
**विधायक-** उत्तराखण्ड के द्वितीय विश्व पुस्तक के भूतपूर्व भैनिकों/शाहीद भैनिकों की  
 विधावाजों को देय पेशान ₹0 250/- से बढ़ाकर ₹0 500/-प्रति माह  
 किया जाना ।

महोदय,

उपर्युक्त विद्यायक आपके पत्रांक 2001/टिठिविभाग/स०प०-२/पेंगान, दिनांक - 01. 10. 2001 के संदर्भ में मुझे यह लड़ने का निर्देश हुआ है कि राज्यपाल महोदय उत्तरांचल में निवास करने वाले द्वितीय विश्व पुस्तकों/स्नौतपूर्व भैनिकों/शहीद भैनिकों की विधायाओं को भारतीय पोषण के लिए उन्हें दी जा रही 250/-रु० की मासिक पेंगान की धनराशि दिनांक 09 नवम्बर, 2001 से बढ़ाकर 500/-रु० किये जाने की सहार्दा स्थीकृत निम्नलिखित शातों स्वर्व पत्रिवैधानों के अधीन प्रदान जरो है ।

1- पेंशनरों की पात्रता के बारे में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय से जब तक पुष्ट नहीं करा ली जाती, तब तक बढ़ी दरों पर पेंशन का मुनाफान नहीं किया जाएगा।

2- द्वितीय विश्व युद्ध के पृष्ठनगत पैंगनरों के संबंध में एक सर्वे करा लिया जाए, जिसमें यह तुनिषिधत्त हो सके कि संबंधित पैंगनर जी-ठित हैं और उन्हें पैंगन की पनराशि सम्यक रूप से प्राप्ता हो रही है। पृष्ठनगत सर्वे आप द्वारा 4 माह के अन्दर पूरा कर लिया जाए।

3- पूर्व प्रुधलित नियमाधिती में ₹0 250/- के स्थान पर ₹0 500/- करने से संबंधित संबोधन यथासमय कर दिये जारी रख तब तक ₹0 500/- प्रतिमाह की दर से रेशन का भुगतान किया जाएगा।

4- उपर्युक्त रूप से संशोधित दरों पर फैशन की धनराशि रत्नद्विषयक नियमावली में दी गई शर्तों के अनुसार वितरित की जाएगी तथा इस बात को भी सुनिश्चित किया जाएगा कि व्यय की जाने वाली धनराशि के लिए वित्तीय हस्तापुत्रिका एवं बजट भेन्युअल में उपलब्ध शर्तों सह प्रतिक्रियाओं का उल्लंघन न हो।

2- इस स्वीकृति के फलस्वरूप होने वाला व्यय 'अनु०सं०- 15 के नेहा-  
शीष्कि- 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, आयोजनेतर-60- अन्य  
सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-09  
उत्तरांचल के निवासी, द्वितीय विश्व युद्ध के भूतपूर्व भैनिकों से उनकी आश्रित  
विधायाओं को ऐशन स्वीकृत-42-अन्य व्यय' नामे में डाला जाएगा ।

3- यह आदेश वित्त किंवाग के अशा०सं०-३७।/वि०अन००-२ /२००१  
दिनांक ०८.०१.२००२ में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

शावदीय,

आर. के. चर्मा  
सचिव ।

संख्या-०६॥/स०क०-४६४॥कल्याण॥/२००१ तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि- सचिव, रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली  
को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया इस बात की पुष्टि करने का कष्ट  
करें कि द्वितीय विश्व युद्ध के भूतपूर्व भैनिकों अथवा उनकी विधायाओं को  
उत्तरांचल सरकार द्वारा जो पेशन दी जा रही है, उसके लिए ऐ प्रदेश सरकार  
से पेशन प्राप्त करने के पात्र हैं ।

आशा से,

गरिमा रौकली  
अनुसन्धिव ।

संख्या-०६॥२॥/स०क०-४६४॥कल्याण॥/२००१ तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यालयी हो प्रेषित:-  
१- महालेषाकार, लेखा॥पृथिवी॥, उत्तरांचल ।  
२- मटानिदेशाक, पुनर्वास, रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, आर०क०  
पुरम, नई दिल्ली ।

.... ३.....

3- सचिव, केन्द्रीय भैनिक बोर्ड, रक्षा मन्त्रालय भारत सरकार मौलाना आजाद मार्ग, नई दिल्ली ।

4- समस्त जिला अधिकारी/अधिका, जिला भैनिक कल्याण स्वं पुनर्वास उत्तरांचल ।

5- समस्त कोष्ठा अधिकारी, उत्तरांचल ।

6- समस्त जिला भैनिक कल्याण स्वं पुनर्वास अधिकारी, उत्तरांचल ।

7- वित्त अनुसार ।

8- अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन ।

9- निजी सचिव, माननीय समाज कल्याण मन्त्री, उत्तरांचल ।

10- गार्ड फाइल ।

आज्ञा ते,  
गरिमा रौकली  
अनुसचिव ।